चारा को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक कट्टा एव दो कारतूस के साथ समाम खान एव पुलिस बल शामिल थे।

पुण्यतिथि पर ईश्वर चंद्र विद्यासागर को किया याद, दी गई श्रद्धांजलि

जागरण संवाददाता पूर्णिया: ईश्वर चन्द्र विद्यासागर की 129 वीं पुण्यतिथि मनाई गयी। कार्यक्रम की शुरुआत सुष्मिता भट्टाचार्य के संगीत के साथ हुई और उपस्थित सदस्यों ने विद्यासागर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। इसके बाद उनके जीवन और कृतित्व विषय पर परिचर्चा में भाग लेते हुए दयाल चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि विद्यासागर ने तत्कालीन समाज मे अंध विश्वास, कुसंस्कार और कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई कर इसे जड़ से मिटाने का प्रयास किया। समिति के अध्यक्ष अजय संन्याल ने कहा कि करुणा और दया के सागर विद्यासागर दानवीर कर्ण की तरह थे जिनका दरवाजा असहायों के लिए हमेशा खुला रहता था। इस अवसर पर बोलते हुए चैताली संन्याल ने कहा कि नारियों की असहाय स्थिति, विधवा विवाह खास कर बाल

ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि मनाते सदस्य लोग

विधवाओं के यंत्रणा को हृदय से अनुभव कर उनके जीवन को नया आयाम देने का प्रयास उन्होंने किया। परिचर्चा में अंजान मुखर्जी, मीठू शॉ, उत्पल मुखर्जी, अतनु मित्रा आदि ने भी अपने विचार को रखा। इस अवसर पर नारायण चन्द्र दास, कार्तिक चंद्र दास, प्रशांत चक्रवर्ती, शान्तनु घोष, शेखर चंद्र वैरागी, तापति साह, रवींद्र कुमार नहा भी उपस्थित थे।

Scanned by CamScanner